बिहार सरकार
आपदा प्रबंधन विभाग

मुख्य सचिव, बिहार की अध्यक्षता में दिनांक–06.07.2018 के अपराह्न 03.30 बजे से संभावित बाढ़/अल्प वर्षापात् की स्थिति से निपटने के संबंध में आपदा प्रबंधन समूह (**CMG**) की आयोजित बैठक की कार्यवाही –

1. उपस्थिति– यथा संलग्न।

2. भारतीय मौसम विज्ञान विभाग

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा बताया गया कि दिनांक 06.07.2018 तक राज्य में औसत वर्षापात में 18 प्रतिशत की कमी है। कुछ जिलो में वर्षा हो रही है, परन्तु कुछ जिलो में वर्षापात की कमी है। इसका मुख्य कारण special एवं temporal variation है। जुलाई माह की तीसरे सप्ताह में अधिक वर्षापात होने की संभावना है। वर्त्तमान में पटना, भोजपुर, सारण, सिवान, वैशाली, खगड़िया, अरवल, गया, जहानाबाद, जमुई, गोपालगंज, बक्सर, कैमुर, बेगूसराय, औरंगाबाद, अररिया, लखीसराय, मुंगेर, मुजफ्फरपुर नवादा, नालन्दा, सहरसा, समस्तीपुर एवं शेखपुरा जिला में औसत वर्षापात से कम वर्षा हुई है।

3. कृषि विभाग

कृषि विभाग के प्रधान सचिव के द्वारा बताया गया कि वर्त्तमान में धान के बिचड़ा का आच्छादन 78% हैं तथा रोपनी 5% हुई है। डीजल सब्सिडी के वितरण हेतु डीजल के बढ़े कीमत के मद्देनजर उसी अनुपात में सब्सिडी देने के प्रस्ताव की स्वीकृति मंत्रिपरिषद् से प्राप्त हो चुका है। डीजल सब्सिडी हेतु आवेदन प्राप्त करने की कार्रवाई की जा रही है।

मुख्य सचिव के द्वारा फसल आच्छादन पर सतत् निगरानी रखने तथा डीजल सब्सिडी के वितरण पर विशेष ध्यान रखने का निदेश दिया गया। उनके द्वारा इस हेतु प्रचार प्रसार कराने का भी निदेश दिया गया।

4. लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग

लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के सचिव के द्वारा बताया गया कि वर्त्तमान में किसी भी जिले में पेयजल संकट की स्थिति उत्पन्न नहीं हुई है, परन्तु 25 प्रखण्ड के 45 पंचायतों में जल स्तर की गिरावट के कारण टैंकरों के माध्यम से जलापूर्ति की जा रही है। खराब पड़े

चापाकलों की मरम्मति की जा रही है। इस कार्य हेतु गैंगमैन की प्रतिनियुक्ति की गई है।

मुख्य सचिव के द्वारा भू- जल स्तर की सतत् निगरानी करने का निदेश दिया गया।

5. जल संसाधन विभाग

मुख्य सचिव के द्वारा तटबंधों की सुरक्षा एवं सतत् निगरानी का निदेश दिया गया।

6. स्वास्थ्य विभाग

स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव के द्वारा बताया गया कि बाढ़ की स्थिति से निपटने हेतु सभी स्वास्थ्य केन्द्रों पर सभी आवश्यक दवाऐं उपलब्ध हैं एवं मोबाईल मेडिकल टीम का गठन किया जा चुका है। सर्पदंश की दवा पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

मुख्य सचिव के द्वारा यह निदेश दिया गया कि स्वास्थ्य केन्द्रों में उपलब्ध दवाओं का भौतिक सत्यापन करवा ली जाए।

बैठक की कार्यवाही सधन्यवाद समाप्त की गई।

ह0 / –
(दीपक कुमार)
मुख्य सचिव,
बिहार

ज्ञापांक .... / आ0प्र0 पटना–15, दिनांक--

प्रतिलिपिः प्रधान सचिव / सचिव, कृषि विभाग / जल संसाधन विभाग / लघु जल संसाधन विभाग / ऊर्जा विभाग / स्वास्थ्य विभाग / पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग / ग्रामीण कार्य विभाग / पथ निर्माण विभाग / नगर विकास एवं आवास विभाग / लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, बिहार, पटना / निदेशक, सांख्यिकी एवं मूल्यांकन निदेशालय, बिहार, पटना / निदेशक, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, फुलवारी शरीफ, पटना / कार्यपालक अभियंता, मिडिल गंगा डिवीजन -5, केन्द्रीय जल आयोग, पटना को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।

ह0 / –
(एम0 रामचन्द्रुडु)
अपर सचिव

ज्ञापांक .... / आ0प्र0 पटना– 15, दिनांक-

प्रतिलिपिः मुख्य सचिव, बिहार के विशेष कार्य पदाधिकारी / विकास आयुक्त, बिहार के प्रधान आप्त सचिव को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।

ह0 / –
अपर सचिव

ज्ञापांक 2077 /आ0प्र0 पटना–15, दिनांक– 30/7/18

प्रतिलिपि:– प्रधान सचिव के प्रधान आप्त सचिव/आई0टी0 मैनेजर, आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार, पटना (विभागीय वेब साईड पर अपलोड करने हेतु) को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।

30/07/18

अपर सचिव